॥ श्री ॥

॥ दिलदीवानी ॥

जिस्को

सिद्ध श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीसीतारामचन्द्र कृपापात्राधिकारी श्रीमहाराजा साहब बहादुर श्री १०८ व्यङ्कटरमण रामानुज प्रसादसिंह जूदेव G C S I के तहसील स्कूल मऊगज के हेडमाष्टर श्रीकविन्द्र-शिरोमणि मिश्र सेवक श्याम ने पूर्वानुराग शृङ्गार को दीवानी के मिसिल मुकदमे का रूपक देकर ललित छन्दो मे वर्णन किया ।

इस पुस्तक के छापने का सब प्रकार अधिकार श्री बाबू रामकृष्णवर्म्मा सम्पादक भारतजीवन को है ।

॥ काशी ॥

भारतजीवन यन्त्रालय मे मुद्रित हुई ।

सन् १९०३ ई०

प्रथम बार १०००]

[मूल्य ८)॥